RJ-02

December - Examination 2017

B.A. Pt. I Examination

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य

Paper - RJ-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : और पेपर खण्ड 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में मोटा सवाल दियोड़ा है। हरेक खण्ड रै आगै मंड्योड़ा निर्देसां मुजब आपरा पड़ूत्तर लिखौ।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड रा सगळा सवालां रा पड़ूत्तर देवणा जरूरी है। आपरै सबदां री सींव सबद 1 सबद अथवा 1 वाक्य अथवा 30 सबदां री है।

1) (i) चावी रचना ''प्रसाख भरै सबद'' रा रचनाकार कुण है?

(ii) बावजी चतुरसिंह री किणी दो रचनावां रा नांव लिखौ।

(iii) ''लस्कर ना थमै'' जैड़ी चावी पोथी रो सार लिखौ।

(iv) ''मानखो'' अर ''जागती जोतां'' किण कवि री प्रसिद्ध रचनावां है?

(v) कवि संकरदान सामौर रचित किणी दो चावी पोथियां रा नांव लिखौ।

(vi) ''चमचो'' काव्य पोथी रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(vii) मेघराज मुकुल रचित किणी अेक चावी रचना रौ नांव लिखौ।

(viii) कवि मोहन आलोक रचित किणी दो प्रसिद्ध काव्य पोथियां रा नांव लिखौ।

(ix) गिरधारी सिंह पड़िहार किण छैतर रा कवि है?

(x) कवि भगवतीलाल व्यास री चावी रचनावां री किणी दोय विसेसतावां बताओ।

(खण्ड – ब) **4 × 10 = 40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड रै किणी चार सवालां रा पडूत्तर 200 सबदांरी सींव में लिखौ।

2) आधुनिक राजस्थानी प्रकृतिवादी काव्य बाबत अेक सांतरी टीप लिखौ।

3) महाविक सूर्यमल्ल मीसण रै काव्य रचनावां बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

4) चावा कवि बावजी चतुरसिंहजी रै जीवन–दरसण नै उजागर करौ।

5) ''चेतावणीरा चूंगट्या' रचना री विसयवस्तु नै उजागर करता थका, रचना रो संदेश लिखौ।

6) आधुनिक राजस्थानी रा चावा कवि गिरधारीसिंह पड़िहार री सिरजण जातरा नै उजागर करौ।

7) चावा कवि प्रेमजी ''प्रेम'' री कवितावां की विशेषताएँ उजागर करौ।

8) आधुनिक राजस्थानी रा चावा कवि मोहन आलोक री सानेट छन्द परम्परा माय भूमिका स्पष्ट करौ।

9) कवि गोरधनसिंह शेखावत री काव्य रचनावां बाबत आपरी जाणकारी उजागर करता थका कवि रो साहित्य माय योगदान समझावौ।

(खण्ड – स) **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी दो सवालां रा पडूत्तर 500 सबदां री सींव में लिखणा है।

10) आधुनिक राजस्थानी काव्य री विविध प्रवृतियां अर रचनाकारा रौ विगतवार खुलासौ करौ।

11) आधुनिक राजस्थानी काव्य रा पैला कवि सूर्यमल्ल भीसण री चावी रचना ''वीर सतसई'' रा भाव–सौन्दर्य और काव्य–सौन्दर्य री विरौळ करौ।

12) राजस्थानी रा चावा कवि कन्हैयालाल सेठिया रा रचना संसार री विस्तार साथै समीक्षा करौ।

13) गीतिकाव्य परम्परा माय कल्याण सिंह राजावात री भूमिका स्पष्ट करौ।